(3) लघु उद्योग/कुटीर उद्योग और खादी ग्रामोद्योग आयोग से एकमात्र और आंशिक खरीद के लिए आरक्षित उत्पादों के अतिरिक्त उन मदों के संबंध में, जो गुणागुड के आधार पर, निजी क्षेत्रों के दीर्घ/मध्य स्तर के यूनिटों के साथ प्रतियोगिता में भाग लेते हैं, उन्हें 15 प्रतिशत तक मूल्य-अधिमान का विचार।

(4) पिछले तीन वर्षों में पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय द्वारा खरीदी खादी और अन्य कुटीर और लघु औद्योगिक उत्पादों का मूल्य निम्नलिखित है :—

वर्ष	खादी	खादी के अतिरिक्त
		(मूल्य करोड़ रु० में)
1979-80	5.09	130.69
1980-81	2.82	194.53
1981-82	2.56	218.94

(ख) सामान्यतया, केन्द्रीय क्रय सलाहकार परिषद् की बैठक वर्ष में एक बार होती है और सभी व्यावहारिक सुझावों को स्वीकार तथा कार्यान्वित किया जाता है।

मित्र देशों के साथ रक्षा संबंधी सहयोग

1560. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत किन-किन देशों को रक्षा संबंधी सहयोग दे रहा है और यह सहयोग किन-किन क्षेत्रों में है और यदि भारत को कोई सहयोग मिल रहा है तो वह किन-किन देशों से किस-किस प्रकार का सहयोग प्राप्त कर रहा है ; और

(ख) पिछले दो वर्षों के दौरान भारतीय सेना के अधिकारी किन-किन देशों में सद्भावना यात्रा पर गए और किन-किन देशों के सेना अधिकारी भारत में सद्भावना यात्रा पर आये और इन यात्राओं के क्या परिणाम निकले ?

रक्षा मंत्री (श्री आर० वेंकटरामन) : (क) भारत मित्र देशों को रक्षा संबंधी सहयोग मुख्यतः प्रशिक्षण के क्षेत्र में देता रहा है। इस से लाभान्वित होने वाले देशों के नाम इस प्रकार है :—

अफगानिस्तान, आस्ट्रेलिया, बंगलादेश, भूटान, बोटस्वाना, कनाडा, मिस्र, जर्मन संघीय गणतंत्र, फीजी, घाना, इंडोनेशिया, ईरान, ईराक, जोर्डन, जमैका, जापान, केन्या, कुवैत, लीबिया, मलेशिया, मारीशस, नेपाल, नाइजीरिया, ओमन, फिलीपीन, श्रीलंका, सूडान, सिंगापुर, सीरिया, तंजानिया, यू० के०, यू० एस० ए०, यू० ए० ई०, युगांडा, यमन और पी० एन० ओ० के साथ-साथ जाम्बिया।

इसी प्रकार भारत अन्य देशों से प्रशिक्षण के क्षेत्र मे सहयोग प्राप्त कर रहा है।

(ख) हमारे थलसेनाध्यक्ष ने इस संबंध मे पिछले दो वर्ष के दौरान निम्नलिखित देशों की यात्रा की :—

वर्ष	देश
1981	चैकोस्लोवाकिया
1981	हंगरी
1981	यूगोस्लाविया
1982	इटली
1982	फ्रांस
1982	नेपाल

वर्ष	देश
1982	यू० एस० एस० आर०
1982	भूटान
1982	सिंगापुर

इसी प्रकार निम्नलिखित देशों से पिछले दो वर्ष के दौरान विदेशी चीफ सद्भावना यात्रा पर भारत आए :—

वर्ष	देश
1981	नेपाल
1981	इटली
1981	केन्या
1981	यू० एस० एस० आर०
1981	भूटान
1982	यू० के०
1982	भूटान
1982	नाइजीरिया
1982	नेपाल

इन यात्राओं से इन देशों के साथ मित्रता आगे बढ़ाने और उनकी सद्भावना प्राप्त करने में सहायता मिली।

वस्तुओं की मूल्य प्रवृत्ति

1561. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कार्यक्रम बनाये गये हैं कि देश में वस्तुओं के मूल्य स्थिर रहें, राज्य ओवर-ड्राफ्ट न लें, लोगों को रोजगार मिले और गरीबी दूर हो और इस संबंध मे कितनी सफलता मिली है ; और

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान वस्तुओं के मूल्यों में किस प्रकार का उतार-चढ़ाव रहा ?

वित्त मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) (क) मूल्यों में स्थिरता बनाए रखने, रोजगार उत्पन्न करने और गरीबी दूर करने के कार्यक्रमों और नीतियों का उल्लेख देश की पंचवर्षीय आयोजना में किया गया है। इस संबंध में हुई प्रगति का मूल्यांकन आर्थिक आयोजनाओं और आर्थिक समीक्षाओं में किया गया है।

(ख) बिन्दु प्रति बिन्दु के आधार पर थोक मूल्य सूचकांक के अनुसार मापी गई मुद्रा स्फीति की वार्षिक दर, 21 फरवरी, 1981 के 15.3 प्रतिशत से कम होकर 20 फरवरी, 1982 को 3.2 प्रतिशत पर और 19 फरवरी, 1983 को समाप्त हुए सप्ताह में 5 प्रतिशत पर आ गई।

Collateral Security for grant of bank loan

1562. SHRIMATI PRATIBHA SINGH: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have issued instructions to the State Bank of India and other nationalised banks not to insist on Collateral Security for grant of loans for setting up of small scale industries except in cases where out-of-the-way facilities are granted;

(b) if so, what are the details in this regard;

(c) whether his Ministry or the Reserve Bank of India has set up any complaint cell for registering cases of refusal of bonafide loan facilities including insisting of Collateral Security by the nationalised banks; and